b&lekpkj i=

प्रज्ञान

';okvk dk ep'

सप्ताह का विचार

शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी आपको कमजोर बनाता है, उसे जहर की तरह त्याग दो।
– स्वामी विवेकानंद

fnukd 09 vçSy 2016 ¼lkIrkfgd½ o"kZ 01 vad 06

सुभारती में सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

➪ 'शोध प्रस्ताव की रूपरेखा : अन्तर्वैक्तिक पद्धति' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

मालवीय प्रेक्षागृह में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेते शिक्षकगण।

सुभारतीपुरम। साल में कई शोध संपन्न होते हैं और कई शोध की शुरुआत होती है, लेकिन एक शोधार्थी शोध की रूपरेखा किस आधार पर तैयार करें यही रूपरेखा उस शोध की दशा व दिशा तैयार करती है। इसी के महत्व को समझते हुए ' शोध प्रस्ताव की रूपरेखा : अन्तर्वैक्तिक पद्धति' पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय शोध समिति के तत्वावधान में इंजीनियरिंग विभाग के 'मालवीय प्रेक्षागृह' में आयोजित किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनके आहूजा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के डीन व प्रोफेसर सहित अनेक शोधार्थी मौजूद रहे।

कार्यशाला के पहले दिन आरपीजी कॉलेज के फाइन आर्ट्स की डीन डा. अर्चना रानी ने 'शोध समस्याओं को चुनने की प्रक्रिया' विषय पर न केवल अपने विचार रखे, बल्कि अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने व्याख्यान में शोधार्थियों को विषय के संबेध में विस्तार से समझाया।

कार्यशाला के दूसरे दिन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के डीन डा. प्रदीप मिश्रा ने बड़े ही रोचक अंदाज में अपने चयनित विषय पर सहज और सरल तरीके से समझाया। उन्होंने श्रोताओं के प्रश्नों को संतोषजनक उत्तरों से बड़े आसान शब्दों में उदाहरण देकर समझाया।

नई दिल्ली स्थित समाचार एंजेंसी यूनीवार्ता के भ्रमण में शामिल छात्र–छात्राएं व शिक्षकगण।

पत्रकारिता के छात्रों ने किया समाचार एजेंसियों का भ्रमण

सुभारतीपुरम। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र–छात्राओं ने आठ अप्रैल को नई दिल्ली में शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने भारतीय समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी और ऑल इंडिया रेडियो के एफएम रेनबो और एफएम गोल्ड चैनल में जाकर इनकी कार्यप्रणाली को नजदीक से जाना। डा. नीरज कर्ण सिंह और प्रवक्ता सुरेंद्र कुमार अधाना के निर्देशन में छात्र–छात्राएं सर्व. प्रथम यूएनआई पहुंचे। यहां एचआर एग्जीक्यूटिव पवन कुमार ने सभी छात्र–छात्राओं को एजेंसी के मुख्य कार्यों से अवगत कराया।

समसामयिकी

➪ ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए पहचान पत्र के तौर पर अब आधार कार्ड भी मान्य होगा।

➪ सरकार ने क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को अपने कौशल भारत अभियान का चेहरा बनाया है। युवाओं तक पहुंचने तथा कौशल विकास के प्रति जागरूकता के प्रसार के लिए तेंदुलकर को कौशल भारत अभियान के प्रचार के लिए जोड़ा है।

➪ शनि शिंगणापुर मंदिर में 400 साल पुरानी कुप्रथा का अंत हुआ। यहां महिलाओं को पूजन करने की मनाही थी, महिलाओं को इस पूजन का अधिकार दिए जाने की लड़ाई तृप्ति देसाई ने लड़ी।

➪ पोलियो की पी–2 वैक्सीन की आखिरी बूंद बच्चों को 16 अप्रैल से दी जाएगी। पांच दिनों तक घर घर टीकाकरण अभियान चलेगा। 21 अप्रैल के बाद बचे वैक्सीन को खात्मे के लिए पुणे भेजा जाना है।

➪ यूनाईटेड किंगडम ने मदर टेरेसा को मरणोपरांत फाउंडर अर्वाड से नवाजा।

➪ प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक समावेशन के लिए स्टैंड अप इंडिया प्रोग्राम लांच किया।

➪ आइटी विभाग ने टैक्स कैलकूलेटर लांच किया, इससे कुछ आइटीआर की ई–फाइलिंग शुरू की गई।

➪ कर्नाटक भारत का सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला राज्य बना।

भारत मां की पीड़ा

पूजा पाल

मैं मां हूं... जिसे लोग भारत मां के नाम से भी जानते हैं। सब कहते हैं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं क्योंकि मेरे पास वो अद्‌भुत खजाना है जिसके बिना एक मां अधूरी है और वह खजाना है मेरे बच्चे। जिनका रहन–सहन, खान–पान और यहां तक कि संस्कृति भी अलग है। मेरे बच्चों की यही विभिन्नता मेरी पहचान है, मेरा स्वाभिमान है, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि एक ही मां की संतान होते हुए भी इन्होंने अपने आप को एक दूसरे से जुदा कर लिया है। किसी ने धर्म के नाम पर तो किसी ने जाति के नाम पर। स्थिति यह है कि आज ये एक–दूसरे को फूटी आंख नहीं भाते हैं। जगह–जगह लोग एक–दूसरे से झगड़ रहे हैं, मार–काट कर रहे हैं। किसी ने सोचा है कि जब बच्चे एक ही घर में रहकर ऐसा करते हैं तो मां पर क्या बीतती होगी, कितनी पीड़ा होती होगी।

मैं अपने बच्चों को लड़ते–मरते देखकर रोज मरती हूं, लेकिन कोई मेरे बारे में नहीं सोचता। सब अपना स्वार्थ सिद्ध करने में लगे हैं, आरोप–प्रत्यारोप करते रहते हैं। दुर्भाग्य की बात है कि ऐसा करने वालों के कंधो पर ही मेरा नाम उंचा करने का दायित्व है। हालांकि यदि वह इस दायित्व को पूरा न भी करें तो मुझे इतनी अधिक पीड़ा नहीं होगी, लेकिन ये तो मेरे टुकड़े करने की बात करते हैं। कुछ ने तो इसके लिए नारा भी दिया है, भारत तेरे टुकड़े होंगे, टुकड़े होंगे... तो कुछ यह कहते हैं कि भारत माता की जय नहीं बोलूंगा। ये सब सुनकर मैं सोच में पड़ जाती हूं कि क्या वाकई ये मेरी ही संतान हैं। मैं कब कहती हूं कि मेरी जय बोलो, लेकिन कम से कम मेरी अखंडता, मेरे स्वाभिमान को ठेस तो मत पहुंचाओ। यह सब देखकर मेरी पीड़ा असहनीय हो जाती है।

एक ओर मेरे जो बच्चे मेरी रक्षा के लिए दिन–रात सीमा पर पहरा देते हैं, कड़ाके की ठंड में सियाचिन जैसी बर्फीली और खतरनाक जगह पर चौबीसों घंटे निगरानी करते हैं, लोग उनकी कद्र न कर के ऐसे लोगों की बरसी मनाते हैं जो मेरा अस्तित्व मिटाने तथा मुझे कष्ट पहुंचाने में लगे रहते हैं।

जब मैं यह सब सोचती हूं तो महसूस होता है कि मेरी संतानें कितनी स्वार्थी हो गई हैं। अपने हितों को साधने के लिए एक भाई दूसरे का गला काट रहा है। खुद को श्रेष्ठ दिखाने के लिए दूसरे को नीचा दिखा रहा है। यह सब देखकर मेरा अंतर्मन उद्वेलित हो जाता है और मैं बहुत हताश होती हूं। क्या यही है मेरा परिवार? क्या भविष्य होगा इनका? क्या यह आपस में यूं ही लड़ते रहेगें? क्या ये अपने मनमुटाव को भुलाकर एक नहीं हो सकते? क्या ये एक मां की (भारत मां) की संतान होते हुए भी एक नहीं हो सकते? क्या ये अपनी मां की खुशी के लिए, मां के स्वाभिमान के लिए अपना अभिमान नहीं छोड़ सकते? क्या यह सब बदस्तूर जारी रहेगा? ऐसे ना जाने कितने सवाल मेरे सीने में खंजर की तरह चुभते रहते हैं। मुझे बहुत चिंता होती हैं मेरे बच्चों की। मुझे बहुत दर्द होता है, असहनीय पीड़ा होती है। मैं इस पीड़ा को अधिक समय तक नहीं सह पाउंगी। यदि यह सब ऐसे ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब मेरा अस्तित्व ही विलुप्त हो जाए।

क्लिक ऑफ द वीक

QkVks % _rqt; jLrkxh

संरक्षक : डा. अतुल कृष्ण (संस्थापक सुभारती विवि), डा. शल्या राज (अध्यक्ष), डा. एनके आहूजा (कुलपति सुभारती विवि) **फैकल्टी इंचार्ज** : अरविन्द कुमार **संपादकीय टीम** : पूनम, मो. मुईद (एम. फिल.), पूजा (एमजेएमसी प्रथम वर्ष)
फोटोग्राफी टीम : सुमित बंसल व शिप्रांशु पांडेय (बीजेएमसी द्वितीय वर्ष) **पृष्ठ सज्जा** : अरविन्द कुमार
हमसे संपर्क करने के लिए डायल करें 0121 3055017, 9456068123 (आप अपने सुझाव और प्रश्न हमारी ईमेल आईडी gsvsijmcenewsletter@gmail.com पर भेज सकते हैं।   –– प्रकाशित पत्रकारिता एवं जनसंचार द्वारा ––